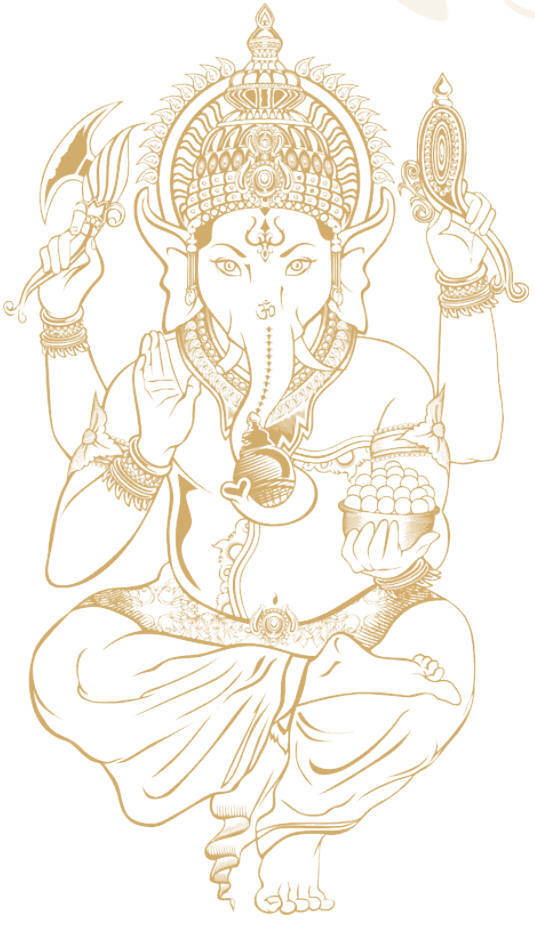

Apurv sharma

Pratiksha rawat

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121573102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
9-10/11/1994	जन्म तिथि	28-29/04/1997
बुध-गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 02:46:00	जन्म समय	03:00:00 घंटे
घटी 50:34:56	जन्म समय(घटी)	53:18:22 घटी
India	देश	India
Firozabad	स्थान	Agra
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
78:24:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:24	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:01	सूर्योदय	05:42:15
17:28:18	सूर्यास्त	18:49:14
23:47:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:09

विंशोत्तरी चन्द्र 3वर्ष 4मा 2दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 4वर्ष 11मा 7दि
गुरु	02:50:06	कन्या	लग्न	कुंभ	18:39:11	राहु
14/03/2023	23:27:29	तुला	सूर्य	मेष	14:48:01	06/04/2019
14/03/2039	18:52:46	मक	चंद्र	धनु	29:01:41	06/04/2037
गुरु 01/05/2025	24:44:46	कर्क	मंगल	सिंह	22:55:36	राहु 17/12/2021
शनि 12/11/2027	05:21:35	तुला	बुध व	मेष	09:08:27	गुरु 12/05/2024
बुध 17/02/2030	29:41:30	तुला	गुरु	मक	25:25:53	शनि 19/03/2027
केतु 24/01/2031	12:30:45	तुला व	शुक्र	मेष	21:36:39	बुध 05/10/2029
शुक्र 24/09/2033	11:53:29	कुंभ	शनि	मीन	19:59:25	केतु 24/10/2030
सूर्य 13/07/2034	21:00:47	तुला	राहु व	कन्या	04:07:08	शुक्र 24/10/2033
चन्द्र 12/11/2035	21:00:47	मेष	केतु व	मीन	04:07:08	सूर्य 17/09/2034
मंगल 18/10/2036	29:13:58	धनु	हर्ष	मक	14:46:11	चन्द्र 18/03/2036
राहु 14/03/2039	27:11:15	धनु	नेप	मक	06:08:10	मंगल 06/04/2037
	03:45:31	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:06:24	

लग्न-चलित

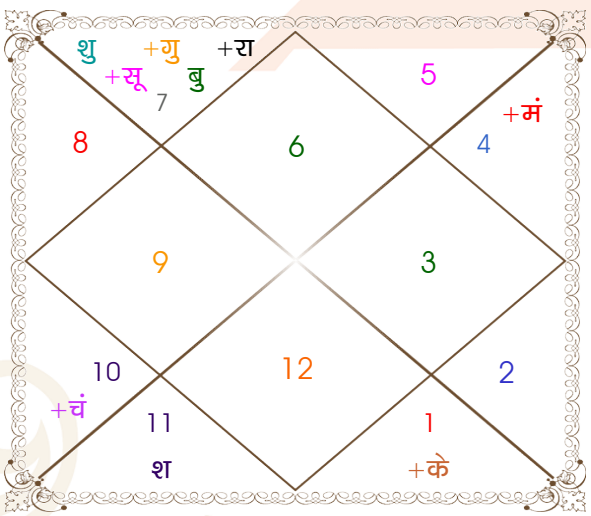

लग्न-चलित

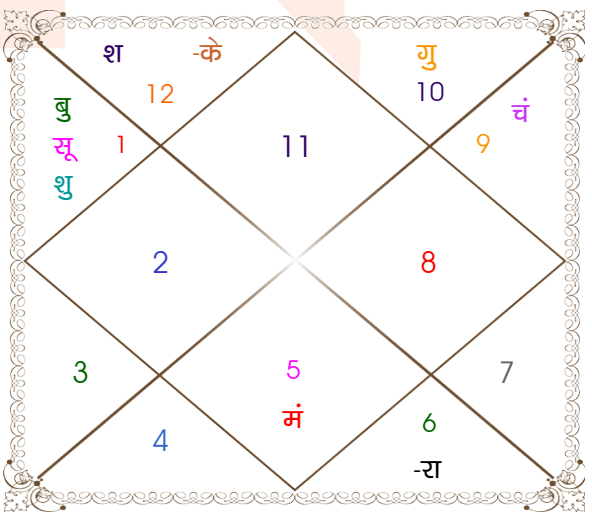

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ïचनतअ`ींतउं का नक्षत्र श्रवण है।

ïचनतअ`ींतउं का वर्ग मार्जार है तथा Pratiksha rawat का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ïचनतअ`ींतउं और Pratiksha rawat का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ïचनतअ`ींतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Pratiksha rawat मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ïचनतअ`ींतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ïचनतअ`ींतउं तथा Pratiksha rawat में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।